Department of Mass Communication
V.B.S.Purvanchal University
Jaunpur,Uttar Pradesh,222003
India

Event Report

1. Title of Event: Media Prabandhan: Avasar Aur Chunautiya

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): 03, September, 2016

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Prof O.P. Singh, Mr. Ankur Chaddha

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संकाय भवन के कांफ्रेंस हॉल में जनसंचार विभाग द्वारा को मीडिया प्रबंधनः अवसर एवं चुनौतियां विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि मदन मोहन मालवीय हिंदी पत्रकारिता संस्थान काशी विद्यापीठ वाराणसी के निदेषक प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि बदलते दौर में जितने ज्ञान कौषल की आवष्यकता सम्पादकीय कार्यों में है उससे कहीं कम प्रबंधन के क्षेत्र में नहीं है। आज मीडिया प्रबंधन के क्षेत्र में अवसर बहुत तेजी से बढ़े है लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं है।

डा. अंकुर चड्ढा ने कहा कि मीडिया संस्थान के लोग 24 घंटे कार्य करते है। अखबार के सभी विभाग हमेषा चुनौतियों का सामना करते रहते है। आज पत्रकारों के लिए पाठक और विज्ञापन विभाग के लिए टा॔रगेट की लड़ाई होती रहती है। अध्यक्षीय संबोधन में मानव संसाधन विकास विभाग के अध्यक्ष डॉ अविनाश पार्थिडकर ने मीडिया उद्योग के भविश्य में विस्तारपूर्वक प्रकाष डाला। उन्होंने कहा कि 2022 तक लाखों लोगों को मीडिया उद्योग में रोजगार के अवसर मिलेंगे। इस अवसर पर . मनोज मिश्र,डॉ दिग्विजय सिंह राठौर,डॉ. अवध बिहारी सिंह,डॉ रसिकेश,डॉ रुशदा आज़मी,डॉ. सुभाष वर्मा,सुधाकर शुक्ला,मोहम्मद अबू सालेह,अभिनव,अंशुमन,परमेंद्र विक्रम सिंह अदि उपस्थित रहे.

Event Report

1. Title of Event: National Seminar on New era of regional journalism

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): 08 November, 2017

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Prof. OP Singh, Prof Sri Kant Singh

6. Number of Participants: 50

विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा को संकाय भवन के कांफ्रेंस हॉल में क्षेत्रीय पत्रकारिता का नया दौर विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।

संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि मदन मोहन मालवीय हिंदी पत्रकारिता संस्थान महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के निदेशक प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि वैश्वीकरण एक सपना है लेकिन क्षेत्रीयता यथार्थ है।

संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय भोपाल के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के प्रोफेसर श्रीकांत सिंह ने कहा कि क्षेत्रीय पत्रकारों को क्षेत्र के विकास एवं क्षेत्र की भावनाओं को समझ कर काम करना चाहिए। अध्यक्षता करते हुए संकायाध्यक्ष डॉ अजय प्रताप सिंह ने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में तकनीकी के कारण बहुत तेजी से बदलाव आया है आने वाले समय में क्षेत्रीय पत्रकारिता के क्षेत्र में और भी बदलाव देखे जाएंगे। डॉ मनोज मिश्र ने क्षेत्रीय पत्रकारिता के विभिन्न आयामों पर अपने विचार रखे.

Event Report

1. Title of Event: One day Seminar on Arthik Patrakarita: Chunautiya evam Sambhavnaye

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): 05 February,2018

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Prof. Bandana Pandey, Sri surendra Prasad Singh

6. Number of Participants: 100

विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा फार्मेसी संस्थान के रिसर्च एवं इनोवेशन सेंटर में आर्थिक पत्रकारिता : चुनौतियां एवं संभावनाएं विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में वक्ताओं ने देश की अर्थव्यवस्था और आर्थिक पत्रकारिता के विविध आयामों पर अपने विचार रखें।

बतौर मुख्य अतिथि निदेशक प्रेरणा शोध एवं जनसंचार संस्थान प्रोफेसर बंदना पांडे ने कहा कि 90 के दशक में बहुराष्ट्रीय कंपनियां के भारत आने से आर्थिक पत्रकारिता का एक नया दौर शुरू हुआ।उन्होंने कहा कि कॉर्पोरेट पत्रकारिता में किसान और गरीब कही खो गया है।आज ग्रामीण भारत को दिखाने वाली पत्रकारिता की जरुरत है। उन्होंने कहा कि आज कुछ मीडिया संस्थान पूर्वाग्रही ही नहीं दुराग्रही हो गए है।यह देश के लिए शुभ नहीं है।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता एवं विशिष्ट अतिथि नई दिल्ली के पत्रकार सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि हिंदी के समाचार पत्रों आर्थिक पत्रकारिता के क्षेत्र में काफी कुछ नया कर रहे है। आज आर्थिक पत्रकारिता का ज़माना है बजट और शेयर जैसे विषयों को आम जनमानस के अनुरूप तैयार कर प्रकाशित किया जा रहा है।प्रोफेसर बीबी तिवारी ने अर्थव्यवस्था और आम आदमी पर अपनी बात रखी।

Event Report

1. Title of Event: Workshop on Travel Writing and Photography

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): 07-09Feb.2020

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Dr kaynat kazi

6. Number of Participants: 100

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान के सभागार में शुक्रवार को यात्रा लेखन एवं फोटोग्राफी विषयक तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ।यह कार्यशाला केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल एवं जनसंचार विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई है।

उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि प्रख्यात यात्रा लेखिका, ब्लॉगर एवं फोटोग्राफर डॉ कायनात काज़ी ने कहा किअपने देश को समझने के लिए यात्रा से बेहतर कोई माध्यम नहीं है. पुरुष यायावर तो बहुत हुए है लेकिन महिला यायावर की चर्चा इतिहास में नहीं हुई है. महिला यायावर के वृत्तान्त में दुनिया को दिखाने का उसका नजरिया संवेदनशील रहेगा . उन्होंने कहा कि अकेले यात्रा करने पर आप अपने को जान पाते है और सारे निर्णय यात्रा के दौरान खुद ही लेते है. अध्यक्षीय सम्बोधन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव सुजीत कुमार जायसवालने कहा कि आज सोशल मीडिया का दौर हैजिसमें आप ही लेखक, संपादक और प्रकाशक है.अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए जो कुछभी अभी अछूता है अपने यात्रा विवरणों को लिख कर दुनिया के सामने रखें. कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र ने कहा कि महान यात्रियों ने देश की संस्कृति और लोकाचार से विश्व को परिचित कराया है. यात्रा विवरण इतिहास की धरोहरें हुआ करती है.

Event Report

1. Title of Event: National Webinar on Exploring and Understanding the Role of MediaDuring COVID-19

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): 17 May,2020

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Prof Sanjeev Bhanawat, Mr Satish k Singh, Mr Nalin Chouhan, Dr Sarvesh Tripathi

6. Number of Participants: 4000

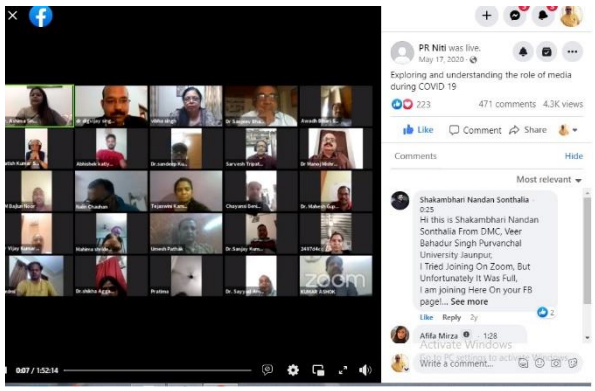

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग एवं पी आर नीति के संयुक्त तत्वावधान में कोविड १९ के दौर में मीडिया की भूमिका के विविध आयामों पर चर्चा के लिए रविवार को ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया . संगोष्ठी को देश के विभिन्न भागों से फेसबुक और ज़ूम के माध्यम से लोग जुड़े.

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि जयपुर विश्वविद्यालय के पत्रकारिता के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ संजीव भानावत ने कहा कि मीडिया ने ख़ास तौर से समाचार पत्रों ने कोरोनो के दौर में जन जागरूकता में बड़ी भूमिका अदा की है. जन को वास्तविकता से परिचित कराया है और विश्लेष्णात्मक खबरों को उपलब्ध कराया है.संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में दिल्ली के जाने माने पत्रकार सतीश के सिंह ने कहा कि इस दौर में सरकार ने हर सेक्टर को आर्थिक मदद देने का निर्णय लिया है ऐसे में मीडिया उद्योग के लिए भी सरकार को एक पैकेज की घोषणा करनी चाहिए. विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डॉ राजाराम यादव ने कहा कि इस दौर में मीडिया के काम से समाज में उसकी अनिवार्यता सिद्ध हो गई है. मुख्य वक्ता सूचना और प्रचार निदेशालय दिल्ली के उप निदेशक नलिन चौहान ने कहा कि आज हम एक अदृश्य आपदा का सामना कर रहे है ऐसे सूचना का स्वरुप और भी महत्वपूर्ण हो गया है. डॉ सर्वेश त्रिपाठी द्वारा विषय प्रवर्तन किया गया .

Event Report

1. Title of Event: National Webinar on Television Anchoring and Reporting Skills Needed in the Time of COVID-19

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): 24 May ,2020

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Mr. Ashok Srivastav, Miss navjot

6. Number of Participants: 1000

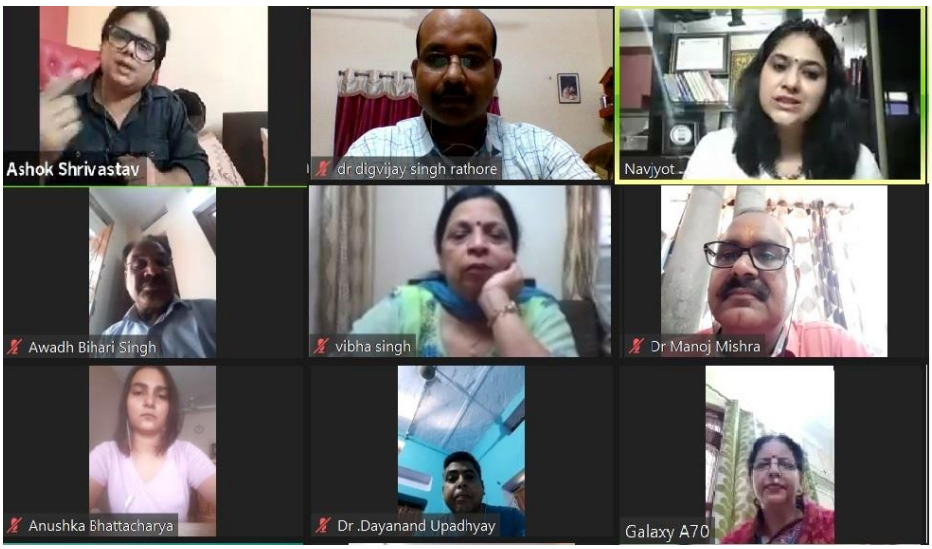

जनसंचार विभाग एवं पीआर नीति के संयुक्त तत्वावधान में 24 मई को कोविड 19 के दौर में टेलीविजन एंकरिंग एवं रिपोर्टिंग स्किल पर ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया. संगोष्ठी में वक्ताओं में इस महामारी के दौर में पत्रकारों के समक्ष चुनौतियों और आवश्यक स्किल पर अपने विचार रखें. संगोष्ठी में देश के विभिन्न भागों से मीडिया शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं पत्रकारों ने प्रतिभाग किया.

बतौर मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार, लेखक एवं डीडी न्यूज़ के एंकर अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि राज्य या केंद्र सरकार की तरफ से फ्रंट लाइन पर काम करने वालों की तरह ही पत्रकारों का भी बीमा करना चाहिए.

वेबीनार में आज तक एवं न्यूज़ 18 जैसे प्रतिष्ठित चैनलों की पूर्व पत्रकार एवं एंकर नवजोत ने कहा कि पत्रकारों को इन्डिपेंडेंट वाइस बन कर सामने आना चाहिए. उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के पहले भी बहुत आपदाएं आई है . पत्रकारों ने इस दौर में खबरों को पहुंचाने में कभी कोई कमी नहीं की है. कहा कि महामारी से जुडी ख़बरें सही, स्पष्ट और सच्ची होनी चाहिए. पीआर नीति की निदेशक विभा सिंह आभार एवं स्वागत संगोष्ठी के निदेशक विभागाध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र ने किया. वेबिनार का संचालन संयोजक डॉ दिग्विजय सिंह राठौर ने किया.वेबिनार के आयोजन सचिव डॉ अवध बिहारी सिंह एवं सह संयोजक डॉ सुनील कुमार एवं डॉ चंदन सिंह रहे.

Event Report

1. Title of Event: National Webinar on Hindi Patrakarita

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): 30 may, 2020

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Dr Kaynat Kazi

6. Number of Participants: 100

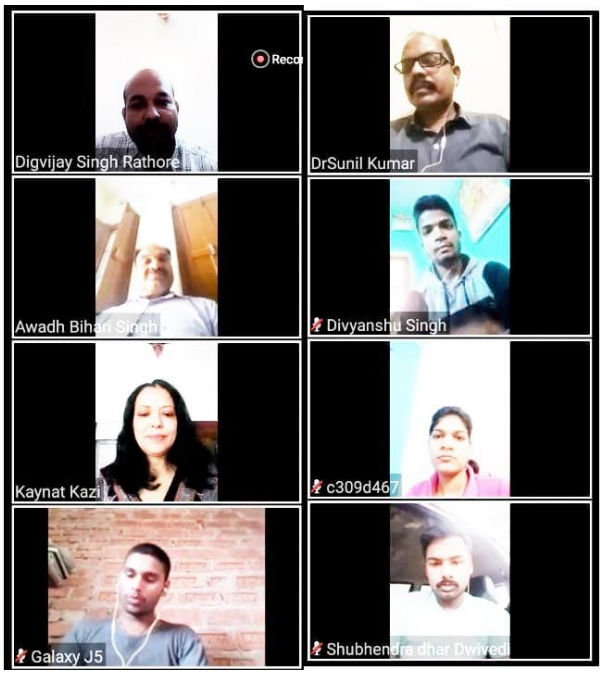

विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया।संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि प्रख्यात यात्रा लेखिका, ब्लॉगर एवं फोटोग्राफर डॉ कायनात काजी ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान हिंदी के पत्रकारों ने सामाजिक घटनाओं का सजीव चित्रण किया है। हिंदी पत्रकारिता ने मजदूरों के पलायन के मुद्दे को संवेदनशीलता के साथ उठाकर सरकारों को जगाया है। उन्होंने कहा कि यह लॉकडाउन का दौर आत्म विश्लेषण का है। देश के तमाम हिस्सों में पत्रकार कोरोना वायरस से संक्रमित हो रहे हैं फिर भी उनके मनोबल में कहीं कोई कमी नहीं हो रही है। आने वाला समय तमाम तरह की चुनौतियों को लेकर आएगा इनसे निपटने के लिए हमें तैयार रहने की जरूरत है।विभागाध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता हमारी मातृभाषा से जुड़ी हुई है। यह हिंदी के प्रख्यात साहित्यकारों के संरक्षण में पली बढ़ी है। आज की पीढ़ी को इसे समृद्ध करने में अपना योगदान देना चाहिए।

विभाग के शिक्षक डॉ अवध बिहारी सिंह ने हिंदी भाषा के पहले समाचार पत्र उदंत मार्तंड पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता आज जनता की आवाज बन चुकी है। डॉक्टर सुनील कुमार ने कहा कि आज पत्रकारों को विभिन्न तकनीकों के ज्ञान की आवश्यकता पढ़ रही है प्रिंट मीडिया से जुड़ा पत्रकार डिजिटल पत्रकारिता भी कर रहा है।कार्यक्रम का संचालन डॉ दिग्विजय सिंह राठौर एवं तकनीकी सहयोग छात्र वीर बहादुर सिंह ने दिया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ चंदन सिंह ने दिया।

Event Report

1. Title of Event: National Webinar on Covid-19 and Media

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): 24 Sept. 2020

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons:

Vice Chancellor Professor Nirmala S. Mourya, Mr. RP Saroj, Dr Nirupam Prakash
Professor Dr. Suryakant, Professor Sanjeev Bhanawat

6. Number of Participants: 100

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के जनसंचार विभाग और प्रेस इनफार्मेशन ब्यूरो लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में 24 सितंबर गुरुवार को कोविड-19 और मीडिया विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया।वेबिनार की मुख्य अतिथि पीयू की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि कोविड 19 ने समाज के हर क्षेत्र को प्रभावित किया है। प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया ने कोविड 19 से जुड़ी हर जानकारी पहुँचाई है। पीआईबी लखनऊ के अतिरिक्त महानिदेशक आरपी सरोज ने कहा कि कोविड -19 से डरने की नहीं लड़ने की जरूरत है। संक्रमित होने पर चिकित्सक की सलाह से ही दवाओं को लेना चाहिए। कोविड -19 के प्रति लोगों को जागरूक करने में मीडिया बड़ी भूमिका अदा कर रही है, जो सराहनीय है।सेंटर फ़ॉर मास कम्युनिकेशन राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर संजीव भानावत ने कहा कि मीडिया कर्मियों ने कोविड- 19 के दौर में जान की बाजी लगाकर लोगों को सूचना पहुंचाई है। किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ सूर्यकांत ने कहा कि मीडिया न होता तो समाज मे कोविड- 19 का भयावह रूप दिखाई देता। जनता को जागृत करना सबसे बड़ी वैक्सीन है। बतौर वक्ता लखनऊ के चिकित्सक डॉ निरुपम प्रकाश ने कहा कि कोविड- 19 से लड़ने के लिए जागरूकता की बहुत जरूरत है। वेबिनार के संयोजक जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र ने अतिथियों का स्वागत एवं संचालन पीआईबी लखनऊ के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. श्रीकांत श्रीवास्तव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ सुनील कुमार ने किया।

Event Report

1. Title of Event: National Webinar on Rural Society and Tourism

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): 27 Sept,2020

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Dr. Kaynat Kazi,

Professor HC Purohit, Dr. Neeta Yadav, Mr MM Masoom

6. Number of Participants: 100

(100-150 words) वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर पर्यटन और ग्रामीण विषयक ऑनलाइन परिचर्चा का आयोजन किया जा गया। परिचर्चा में वक्ताओं ने ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

प्रतिष्ठित यात्रा लेखिका एवं ब्लॉगर डॉ कायनात काजी ने कहा कि भारतीय ग्रामीण संस्कृति में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ छुपा हुआ है स्थानीय लोक गीत, लोक कलाएं पर्यटकों को गाँव की तरफ आकर्षित करने के लिए सक्षम है। दून विश्वविद्यालय, देहरादून के प्रबंध अध्ययन संकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर एचसी पुरोहित ने कहा कि कोरोना काल में पर्यटन क्षेत्र बहुत प्रभावित हुआ है इस सेक्टर को पुनर्जीवित करने के लिए भी प्रयास होने चाहिए। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी में असिस्टेंट प्रोफेसर एवं इतिहासकार डॉ नीता यादव ने कहा कि भारत के प्राचीन मंदिरों में विद्यमान तीनों शैलियों के बारे में अभी हमारे देश में बहुतों को जानकारी का नहीं है। जौनपुर ब्लॉग एसोसिएशन के अध्यक्ष,ब्लॉगर एवं इतिहासकार एसएम मासूम ने कहा कि पर्यटक चाहता है कि उसे भागदौड़ की जिंदगी के समय मानसिक सुकून मिले। अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र ने किया। कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ दिग्विजय सिंह राठौर एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ सुनील कुमार ने किया।

Event Report

1. Title of Event: National Webinar on Implementation of New Education policy 2020

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): October 27,2020

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Sri Atul Bhai Kothari, Prof RN Tripathi

6. Number of Participants: 100

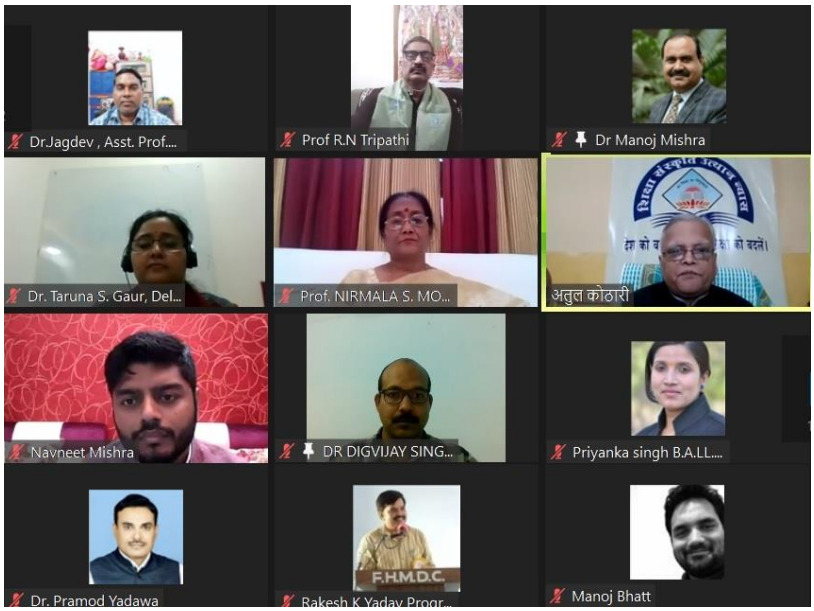

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय के जनसंचार विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का क्रियान्वयन विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया।बतौर मुख्य अतिथि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव अतुल भाई कोठारी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के विविध आयामों पर विस्तार पूर्वक अपनी बात रखी, अध्यक्षीय संबोधन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस मौर्य ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर निरंतर शिक्षण संस्थान मंथन कर रहे हैं।

बतौर विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सदस्य प्रोफ़ेसर आरएन त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मानवता के साथ-साथ प्रकृति को भी जोड़ा गया है। अतिथियों का स्वागत संकाय अध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र एवं आभार डॉ सुनील कुमार ने व्यक्त किया. वेबिनार का संचालन डॉ दिग्विजय सिंह राठौर ने किया। वेबिनार का संयोजन डॉ अवध बिहारी सिंह, डॉ चंदन सिंह, डॉ नितेश जायसवाल, अभिषेक कटिहार ने किया.

Event Report

1. Title of Event: National Webinar on Matri Bhasha ke samwardhan men anuwad ki Bhumika

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): 21/02/2021

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Prof vashisth Anoop. Dr kaynat kazi

6. Number of Participants: 100

7. Summary of Events: (100-150 words) वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग

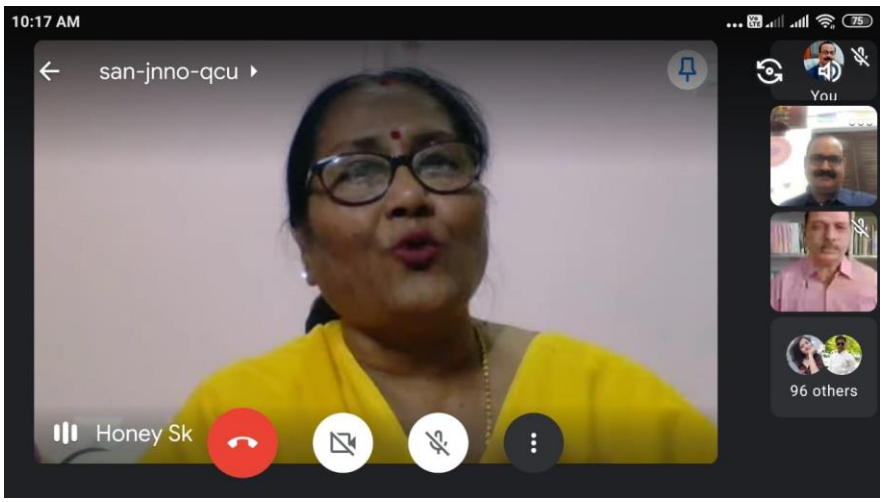

द्वारा अंतरराष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस के अवसर पर मातृ भाषा के संवर्द्धन में अनुवाद की भूमिका विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया।संबोधन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि लोक साहित्य, लोक कहानियां, लोक गीतों के संरक्षण के लिए अनुवाद की महत्वपूर्ण भूमिका है

बतौर मुख्य अतिथि लब्धप्रतिष्ठ कवि एवं शायर काशी हिंदू विश्वविद्यालय, हिंदी विभाग के प्रोफेसर अनूप वशिष्ठ ने कहा कि अनुवाद रचनात्मकता से बड़ा कार्य है। विशिष्ट अतिथि प्रख्यात यात्रा लेखिका डॉ. कायनात काज़ी ने कहा कि ज्ञान के प्रसार में भाषा के अवरोध को हटाने में अनुवादकों की बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि भाषा जल की तरह है उसका प्रवाह यदि रुकेगा तो वह विलुप्त हो जाएगी। कार्यक्रम का संचालन एवं विषय प्रवर्तन जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज मिश्र ने एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुनील कुमार ने किया। कार्यक्रम सचिव डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने स्वागत किया।

Event Report

1. Title of Event: National Webinar on Hindi Journalism: Covid Era and Public Interest

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): May 30,2021

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Mr. Ashutosh Shukla,

Mr. Prateek Trivedi

6. Number of Participants: 100

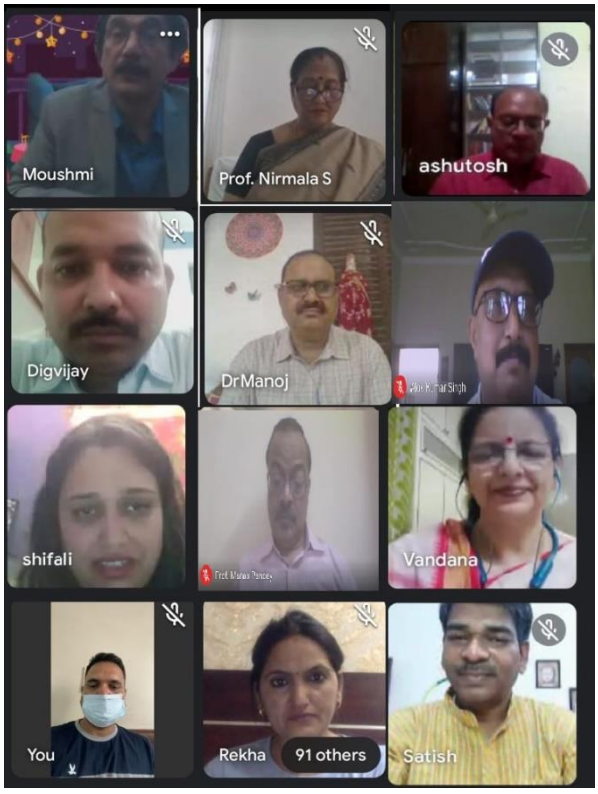

वीर बहादुर पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर हिंदी पत्रकारिता: कोविड काल और जनसरोकार विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया।

वेबिनार के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष शुक्ल { सम्पादक,दैनिक जागरण,उत्तर प्रदेश} ने कहा कि पत्रकारिता पहले भी मिशन थी , आज भी है और सदैव रहेगी । ईमानदारी से पत्रकारिता करने वालों पर सबसे अधिक सवाल उठाये जाते है. इससे विचलित होने की जरुरत नहीं है.

मुख्य वक्ता न्यूज़ -18 इंडिया के वरिष्ठ संपादक प्रतीक त्रिवेदी ने कहा कि कोविड काल के बाद जब नया सवेरा आएगा तो दुनिया बदली- बदली होगी । उन्होंने कहा कि समाचारों की दुनिया में पीएचसी, सीएचसी और जिला अस्पताल जो मीडिया के हासिए पर थे, उनकी उपयोगिता कोविड काल में समझ में आई। अध्यक्षीय उदबोधन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस.मौर्य ने सभी को हिंदी पत्रकारिता दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने सदैव समाज को जोड़ने का काम किया है. कार्यक्रम का संचालन वेबिनार संयोजक एवं विभागाध्यक्ष डॉ० मनोज मिश्र एवं धन्यवाद् ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ० दिग्विजय सिंह राठौर ने किया. कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ० सुनील कुमार एवं शिफाली आहूजा ने तकनीकी सहयोग किया.

Event Report

1. Title of Event: Online Workshop on Emerging Facets of media in digital era

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): 14-20 June 2021

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Prof K G Sursh, Prof Sanjeev Bhanawat, Prof Mukul Srivastav, Dr Ashima Singh, Dr Nimish Kapoor, Dr VS Upadhyay, Dr Smiti , Kumar Srikant, Dr Umesh pathak, Dr Rajeev Kumar, Prof Raghvendra Mishra, Mr. Sujeet Das Gupta, Prof Sanjay Dwivedi, Prof Bandana Pandey.

6. Number of Participants: 100

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चित प्रकोष्ठ की ओर से 'डिजिटल दौर में मीडिया का बहुआयामी स्वरूप' विषयक सात दिवसीय कार्यशाला आजोजन हुआ.

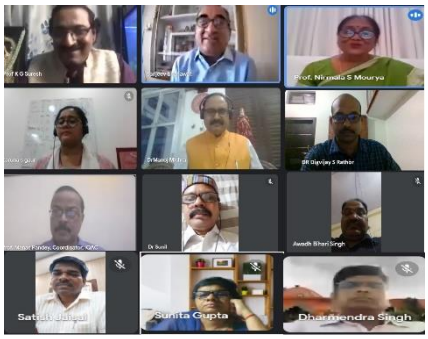

ऑनलाइन आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल, मध्य प्रदेश के कुलपति प्रोफेसर केजी सुरेश ने कहा कि डिजिटल की दुनिया में क्रांतिकारी परिवर्तन देखने को मिला है। प्रोफेसर केजी सुरेश ने कोरोना काल से पत्रकारों को निराश न होने की सलाह दी। बतौर विशिष्ट अतिथि जनसंचार केंद्र राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष प्रोफ़ेसर संजीव भानावत ने कहा कि आज छापाखानों से निकलकर पत्रकारिता मोबाइल में कैद हो चुकी है। कंटेंट का डिस्ट्रिब्यूशन तेजी से हो रहा है। डिजिटल दौर में पत्रकारिता मल्टीटास्किंग हो चुकी है। कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस मौर्य ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि समय के साथ समाज की सोच बदलती है। बदलते युग के साथ जनसंचार में भी बदलाव आता है। कभी एक पन्ने से शुरू हुई पत्रकारिता आज डिजिटल माध्यम तक पहुंची है। अतिथियों का स्वागत आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चित प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो मानस पांडेय एवं कार्यशाला की रूपरेखा एवं संचालन संयोजक डॉ मनोज मिश्र ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ सुनील कुमार ने किया। सात दिवसीय कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ दिग्विजय सिंह राठौर ने अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया।सात दिवसीय कार्यशाला का समापन 20 जून २०२१ को हुआ. डॉ धर्मेंद्र सिंह, प्रो राजेश शर्मा, प्रो राघवेंद्र मिश्र, डॉ अवध बिहारी सिंह, डॉ चंदन सिंह, डॉ कौशल पांडेय, डॉ बुशरा जाफरी, डॉ प्रभा शर्मा, डॉ छोटेलाल, लता चौहान,डॉ सतीश जैसल, डॉ राधा ओझा, डॉ दयानंद उपाध्याय, डॉ विजय तिवारी,डॉ शशि कला यादव, वीर बहादुर सिंह समेत देश के 21 राज्यों से प्रतिभागियों ने भाग लिया।

Event Report

1. Title of Event: National Webinar Cyber Crime: Preventive Measures

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): 07/07/2021

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Prof Triveni Singh, Mr Amit Dubey

6. Number of Participants: 100

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग एवं रूट64 फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में साइबर अपराध: सुरक्षा के उपाय विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया.वेबिनार के मुख्य अतिथि प्रख्यात साइबर विशेषज्ञ एवं उत्तर प्रदेश साइबर क्राइम के पुलिस अधीक्षक प्रो. त्रिवेणी सिंह ने कहा कि आज के समय में साइबर अपराधी तकनीकी का प्रयोग कर लोगों को ब्लैकमेल कर रहे है. आर्थिक, शारीरिक और मानसिक शोषण कर रहे है. अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो.निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि आज साइबर अपराध से कोई वर्ग बचा नहीं है. वक्ता के रूप में देश के जाने-माने साइबर क्राइम अन्वेषण, विशेषज्ञ अमित दुबे ने बड़े रोचक तरीके से साइबर अपराध और उसके बचाव की तकनीकों को बताया. उन्होंने कहा कि देश के बाहर बैठी शक्तियां सोशल मीडिया और इन्टरनेट के माध्यम से देश और व्यक्तियों की छवि बिगाड़ने का काम कर रही है.सञ्चालन शशांक द्वारा किया गया एवं विषय प्रवर्तन एवं स्वागत कार्यक्रम संयोजक डॉ मनोज मिश्र एवं धन्यवाद् ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने किया. प्रो मानस पाण्डेय, प्रो अविनाश पाथरडीकर, डॉ प्रमोद यादव, डॉ वंदना दुबे, चन्द्र प्रभा खन्ना, डॉ प्रदीप कुमार, डॉ. अवध बिहारी सिंह, डॉ सुनील कुमार, डॉ चन्दन सिंह, डॉ कमलेश मौर्य, डॉ रश्मि गौतम, डॉ जीतेन्द्र डबराल समेत देश के 24 राज्यों से शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी एवं पत्रकार शामिल हुए.

Event Report

1. Title of Event: National Workshop on fake news and fact verification

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): 24/07/2021

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Mr. Nimish Kapoor

6. Number of Participants: 100

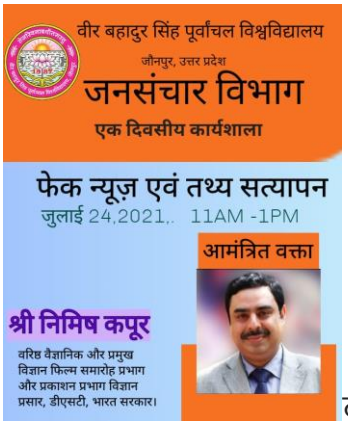

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा फेक न्यूज़ एवं तथ्य सत्यापन विषयक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। विज्ञान फिल्म फेस्टिवल एवं प्रकाशन प्रभाग विज्ञान प्रसार भारत सरकार के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. निमिष कपूर ने प्रतिभागियों को ऑनलाइन तथ्य सत्यापन के तकनीकों से परिचित कराया। यह कार्यक्रम गूगल न्यूज़ इनिसिएटिव इंडिया ट्रेनिंग नेटवर्क के अंतर्गत किया गया। उन्होंने कहा कि भ्रामक खबरें लोगों में सूचनाओं की महामारी फैला रहे हैं, इससे बचने के लिए आपको खुद से खबरों का सत्यापन अधिकृत स्रोतों से करने की जरूरत है . इसमें रिवर्स इमेज फेक न्यूज़ से सम्बंधित फोटो को सत्यापित करने में काफी सहायक है.

विषय प्रवर्तन एवं स्वागत विभाग के अध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र द्वारा किया गया. तकनीकी सहयोग तथा संचालन शोधार्थी मनोज भट्ट ने किया। इस अवसर पर प्रो मानस पाण्डेय, डॉ अवधबिहारी सिंह, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर,डॉ सुनील कुमार, डॉ चंदन सिंह समेत विभाग के समस्त शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे.

Event Report

1. Title of Event: National Webinar on EK SHAM AZADI KE NAM, AZADI KA AMRIT MAHOTSAV

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): 14-August-2021

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Dr Durgesh Upadhyay, Dr Satyanath Pandey,

6. Number of Participants: 100

आज जौनपुर ३

वाराणसी, १८ अगस्त, २०२१

एक शाम आजादीके नाम कार्यक्रम आयोजित

पूर्वांचल विश्वविद्यालयमें आयोजित हुआ कार्यक्रम

जौनपुर।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय, भारतीय भाषा, कला एवं संस्कृति प्रकोष्ठ तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से देश की आजादी के 75वीं वर्षगांठ पर आजादी का अमृत वर्ष समारोह का ऑनलाइन आयोजन रविवार की देर शाम किया गया। एक शाम आजादी के नाम विषयक इस सांस्कृतिक संध्या में लोक भावना में व्यक्त आजादी की भावना पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।

समारोह की अध्यक्षता करती हुई विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर डा. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा है कि आजादी का अमृत महोत्सव यानी आजादी की ऊर्जा का अमृत, स्वाधीनता सेनानियों से प्रेरणाओं का अमृत और नए विचारों-नए संकल्पो का अमृत है। आज हमें अपने अतीत के संघर्षों को याद कर नए सृजन का संकल्प लेना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र अपने ज्ञात-अज्ञात समस्त आदरणीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रति सदा कृतज्ञ है जिनकी बदौलत आज हम स्वतंत्र भारत में हैं। इस अवसर पर उन्होंने अपनी बहु चर्चित रचना जिंदगी धूप का एक टुकड़ा है को भी सुनाया। समारोह के मुख्य अतिथि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी के मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य एवं गीतकार डा. दुर्गेश उपाध्याय के द्वारा राष्ट्रभक्ति आधारित गीत जहां डाल डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा, वो भारत देश है मेरा, बिदेसिया धुन पर आधारित धरती कै सरग, सुघर भूमि भारत कै, देखि देखि मनवाँ लोभाय मोरे मितवा एवं रचनाकार पं. हरिराम द्विवेदी जी द्वारा रचित कजरी श्याम जसुदा कै अंगने बकौवां चलैं, कभी पउवाँ पउवाँ चलैं ना की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर एनएसएस समन्वयक डा. राकेश यादव, प्रो. वंदना राय, आचार्य विक्रमदेव, डा. प्रमोद कुमार यादव, आयोजन सचिव अंशु त्यागी, प्रो. देवराज सिंह, डा. संजीव गंगवार, डा. पुनीत धवन, डा. गिरिधर मिश्र, डा. रजनीश भास्कर, डा. सौरभ पाल, डा. प्रवीण सिंह सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय, भारतीय भाषा, कला एवं संस्कृति प्रकोष्ठ,जनसंचार विभाग तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से देश की आज़ादी के 75वीं वर्षगांठ पर आज़ादी का अमृत वर्ष समारोह का ऑनलाइन आयोजन किया गया। एक शाम आज़ादी के नाम विषयक इस सांस्कृतिक संध्या में लोक भावना में व्यक्त आज़ादी की भावना पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता करती हुई विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर डॉ निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा है कि आजादी का अमृत महोत्सव यानी आजादी की ऊर्जा का अमृत, स्वाधीनता सेनानियों से प्रेरणाओं का अमृत और नए विचारों- नए संकल्पो का अमृत है। समारोह के मुख्य अतिथि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी के मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य एवं गीतकार डॉ. दुर्गेश उपाध्याय के द्वारा राष्ट्रभक्ति आधारित गीत "जहां डाल डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा, वो भारत देश है मेरा", बिदेसिया धुन पर आधारित "धरती कै सरग, सुघर भूमि भारत कै, देखि देखि मनवाँ लोभाय मोरे मितवा" एवं रचनाकार - पं. हरिराम द्विवेदी जी द्वारा रचित कजरी "श्याम जसुदा कै अंगने बकौवां चलैं, कभी पउवाँ पउवाँ चलैं ना" की प्रस्तुति दी गई। समारोह के विशिष्ट अतिथि प्रख्यात लोकगायक एवं श्री चण्डी मन्दिर रामस्वरूप गुप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालय राजाबाजार जौनपुर के प्राध्यापक डॉ सत्यनाथ पाण्डेय ने इस अवसर पर आम लोकजीवन में व्यक्त आजादी के रंग पर महात्मा गांधी जी पर केंद्रित अपनी प्रसिद्ध कजरी "रंगरेजवा भइया छापि दे चुनरिया रे, अचरवा गाँधी बाबा जी रहे", शहीदों के नाम देशभक्ति गीत"देश भारत की शुचिता हैं कैसी, ये शहीदी कहानी से पूछो" और लोकधुन की मशहूर कजरी "गोरे रंग सोहे अंग पे भुजंग, तरंग गंग जटा जूट में" सुना कर प्रतिभागियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आज़ादी के नाम एक शाम को समर्पित इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम के संयोजक एवं छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो अजय द्विवेदी और धन्यवाद ज्ञापन सह-समन्वयक डॉ मनोज मिश्र ने किया। समारोह का संचालन आयोजन सचिव डॉ मनोज कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया।

Event Report

1. Title of Event: One day Seminar on SANSKRIT BHASHA KA MAHATVA

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): August25,2021

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Dr Suresh Chandra Dwivedi

6. Number of Participants: 100

7. Summary of Events: (100-150 words) वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर के कुलपति सभागार में संस्कृत सप्ताह महोत्सव के उपलक्ष्य में संस्कृत भाषा का महत्व विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। यह आयोजन भारतीय भाषा संस्कृति एवं कला प्रकोष्ठ जनसंचार विभाग तथा महिला अध्ययन केंद्र और द्वारा किया गया।

जनसंदेश टाइम्स

वाराणसी, गुरुवार, 26 अगस्त, 2021

संस्कृत जन-जन की भाषा : आचार्य सुरेशचंद्र

संबोधन

भाषा नष्ट नहीं होती, उसका रूप बदलता है : कुलपति

पीयू में संस्कृत भाषा का महत्व पर हुई संगोष्ठी

इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि श्री कल्पेश्वर नाथ संस्कृत महाविद्यालय जनेवरा के आचार्य सुरेश चंद्र द्विवेदी ने कहा कि आज भारत के लिए गौरव का दिन है कि हम लोग संस्कृति और संस्कृत के लिए इकट्ठा हुए हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृत जन जन की भाषा है।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि संस्कृत देव भाषा है। हमारे जितने भी धार्मिक ग्रंथ वेद महापुराण उपनिषद हैं वह सभी संस्कृत में ही है। नई शिक्षा नीति में भी निज भाषा और पुरानी भाषा को महत्व दिया गया है ताकि इसे संरक्षित किया जा सके। उन्होंने कहा कि भाषा का रूप बदलता है वह नष्ट नहीं होती।इसके पूर्व मंचासीन अतिथियों का स्वागत और विषय प्रवर्तन प्रो. अजय द्विवेदी ने कहा कि सभी भाषाओं का मूल संस्कृत हैं।

मंगलाचरण छात्रा छाया त्रिपाठी गायत्री मंत्र का पाठ और गुरु वंदना शशिकांत त्रिपाठी और त्रिभुवन नाथ पांडेय, संचालन सहायक कुलसचिव बबीता जी और धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर मानस पांडेय ने किया।

Event Report

1. Title of Event: HINDI DIWAS SAMAROH

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): September 14,2021

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Prof Nirmala S Mourya, Mr Sanjay Rai, Mr Mahendra Kumar

6. Number of Participants: 100

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय तथा भाषा, संस्कृति एवं कला प्रकोष्ठ द्वारा हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया.समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्य ने कहा कि भारत की पहचान विदेशों में हिंदी से है. भारत के हर कोने में हिंदी बोली जा रही है. विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषाओं में हिंदी तीसरे स्थान पर थी लेकिन अब वह दूसरे स्थान पर आ रही है.

इसी क्रम में वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि हिंदी का प्रकाश सम्पूर्ण देश में फैलता रहे इसके लिए सबको प्रयास करते रहना चाहिए. कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि हिंदी हमारी बुनियाद है. हिंदी हमें भावनात्मक रूप से जोड़ती है.कार्यक्रम में बीकॉम की छात्रा आकांक्षा एवं विशाल चौबे ने कविता प्रस्तुत किया. उपस्थित अतिथियों ने इस अवसर पर परिसर में पौधरोपण भी किया.

स्वागत मानद पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. मानस पाण्डेय,धन्यवाद् ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ. मनोज मिश्र ने एवं संचालन डॉ. विद्युत् मल्ल ने किया. इस अवसर पर प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, आचार्य विक्रमदेव , प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. देवराज,डॉ. मुराद अली, डॉ. जगदेव, डॉ. संजीव गंगवार, डॉ. राज कुमार, डॉ. गिरिधर मिश्र, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. अमरेन्द्र सिंह, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, राजीव कुमार, सहायक कुलसचिव अमृतलाल, बबिता, डॉ. के एस तोमर, डॉ. अमित वत्स, अवधेश कुमार समेत परिसर के शिक्षक, विद्यार्थी उपस्थित रहे.

Event Report

1. Title of Event: One day Seminar on RASHTRA KAVI DINAKAR,

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): September 23,2021

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Prof Nirmala S Mourya, Mr Mahendra Kumar

6. Number of Participants: 100

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में अनुवाद और उत्कृष्टता केंद्र जनसंचार विभाग, भारतीय भाषा संस्कृति एवं कला प्रकोष्ठ एवं सांस्कृतिक परिषद द्वारा राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की जयंती पर नमन राष्ट्रकवि विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस मौर्य ने कहा कि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर स्वतंत्रता के पूर्व क्रांतिकारी कवि थे और स्वतंत्रता के बाद राष्ट्रकवि बने। उन्होंने कहा कि अपनी प्रतिष्ठित रचना रश्मिरथी में दिनकर जी ने महाभारत की पूरी घटना को युगबोध के साथ जोड़ा और एक नए दृष्टिकोण से चित्रित किया.कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि जन-जन में राष्ट्र भावना को जागृत करने में दिनकर जी के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।कार्यक्रम का संचालन संयोजक एवं जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ रसिकेश ने किया।

Event Report

1. Title of Event: VISHWA HINDI DIWAS SAMAROH

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): January 10,2022

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Dr Ram Sudhar Singh

6. Number of Participants: 70

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सोमवार को जनसंचार विभाग तथा भारतीय भाषा संस्कृति एवं कला प्रकोष्ठ की ओर से विश्व हिंदी दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय था राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उन्नयन में हिंदी भाषा की भूमिका।

इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि हिंदी के विद्वान और साहित्यकार डॉ. राम सुधार सिंह ने कहा कि भारत की संस्कृति को समझने के लिए हिंदी को समझना बहुत जरूरी है। हिंदी में सभी भाषाओं को अपनाने की ताकत है। उन्होंने कहा कि वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय मूल्यों के करीब है।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि भाषा संस्कृति और संस्कारों को लेकर चलती है आज के दिन हमें हिंदी को और भी समृद्ध करने का संकल्प लेने की जरूरत है। अतिथियों का स्वागत भाषण प्रोफेसर मानस पांडेय ने किया। मुख्य अतिथि का परिचय डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने प्रस्तुत किया ।संगोष्ठी का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज मिश्र ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ सुनील कुमार ने किया।

देश को समझने के लिए हिंदी जरूरी : राम सुधार सिंह

आयोजन

डा. अग्रवाल का जाना हिंदी जगत की बड़ी क्षति

Event Report

1. Title of Event: Media: Art of Video Editing and Job Prospects

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): Dec.20,2021

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Mr Avinash Raj, Mr Raghvesh Asthana

6. Number of Participants: 200

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के आर्यभट्ट सभागार में सोमवार को मीडिया: वीडियो संपादन कला एवं रोजगार की संभावनाएं विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य की प्रेरणा से किया जा रहा है। यह कार्यक्रम जनसंचार विभाग और कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के सहयोग से किया गया।

इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि सिनेमा की दुनिया में एक कुशल रणनीतिकार एवं वर्तमान में मितवा टीवी के प्रबंध निदेशक श्री राघवेश अस्थाना ने कहा कि एक रचनाकार को अपने अंदर द्रष्टाभाव भी रखना चाहिए। संपादन व कला है जो दर्शक और पाठक को बांधे रखती है खासतौर से भावनाओं की एडिटिंग के समय इस मामले में काफी सतर्कता बरती जाती है अगर कहीं संपादन गलत हुआ तो अर्थ का अनर्थ हो जाता है।

इस अवसर पर मितवा टीवी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अविनाश राज ने कहा कि मीडिया में रोजगार के अवसर बहुत हैं। सफल वही है जो एंबीशन (उद्देश्य) छोड़कर गोल (लक्ष्य)पर ध्यान रखता है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रबंध अध्ययन संकाय के पूर्व संकाय अध्यक्ष प्रो. मानस पांडेय ने कहा किसी भी कला को सीखने के लिए उम्र को बाधक नहीं बनाना चाहिए हमें अगर आगे बढ़ना है तो हर नए काम में रूचि पैदा करनी होगी। इस अवसर पर स्वागत भाषण कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉक्टर संजीव गंगवार ने और अतिथियों का परिचय डॉ. अवध बिहारी सिंह और मनोज कुमार यादव ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रसिकेश ने और धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के संयोजक डॉ. सुनील कुमार ने किया।

Event Report

1. Title of Event: Safe Internet ; Socital need and importance

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): 08 Feb. 2022

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Prof Mukul Srivastava

7. Summary of Events: वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य की प्रेरणा सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर सुरक्षित इंटरनेट: सामाजिक आवश्यकता और महत्व विषयक ऑनलाइन सेमिनार का आयोजन किया गया।

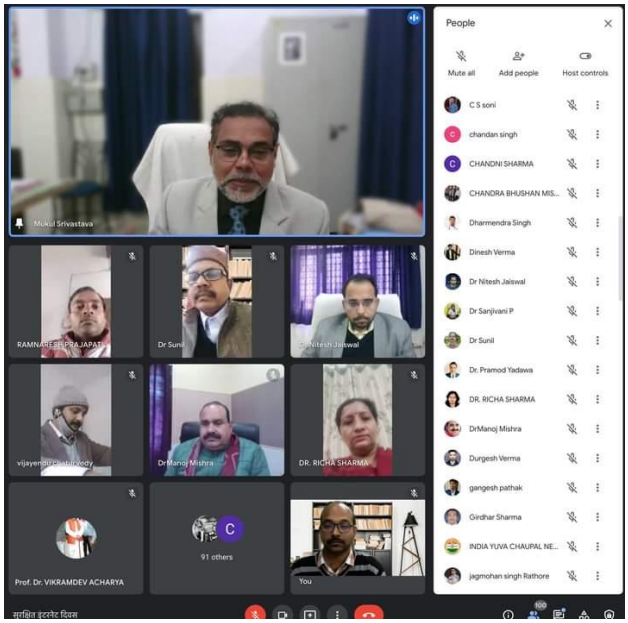

बतौर मुख्य अतिथि जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रो० मुकुल श्रीवास्तव ने कहा कि आज इन्टरनेट हम सबके जीवन का अहम हिस्सा हो गया है. भारत में इंटरनेट के उपयोगकर्ताओं की संख्या में भी तेजी से इजाफा हो रहा है. मल्टीमीडिया मोबाइल लोगों के हाथों में है जिससे वह दुनिया की सैर कर रहे है लेकिन हमारे देश की बहुत बड़ी आबादी को उसके सुरक्षित प्रयोग की जानकारी नहीं है. उन्होंने कहा कि आज इन्टरनेट के जरिए साइबर अपराधों की बाढ़ आ गई है. नित नए मामले सामने आ रहे है. साइबर अपराधी पकड़े भी जा रहे है लेकिन पुलिस के पास संसाधनों की कमी की वजह से बहुत सारे मामलों में कोई एक्शन नहीं हो पाता.

वेबिनार के समन्वयक विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज मिश्र ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया. कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने संचालन एवं डॉ. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया

Event Report

1. Title of Event: भारतीय भाषा पाठ्यक्रम संरचना एवं अनुवाद प्रक्रिया

2. Nature of Event: workshop

3. Date and Duration (in days): March 28,2022

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Dr. Pankaj Dwivedi, Prof Pramod Padwal, Prof. P.K.Maity, Prof. Budathi Venkateswarlu, Prof. Diwakar Pradhan, Dr. Satya Prakash Pal, Dr Jagdishan T, Dr Rajesh Sarkar, Dr Ravi Shankar Pandey,Prof. Harishankar Pandey

6. Number of Participants: 50

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सभागार में सोमवार को भारतीय भाषा पाठ्यक्रम संरचना एवं अनुवाद प्रक्रिया पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में किया गया। इसका आयोजन सेंटर आफ एक्सीलेंस- अनुवाद जनसंचार विभाग की ओर से हुआ। कार्यशाला में मराठी ,बांग्ला, तेलुगु, प्राकृत, संस्कृत,तमिल, भोजपुरी, प्रयोजनमूलक हिंदी एवं नेपाली विषय के पाठ्यक्रम की संरचना की गई.

उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि भाषा के संरक्षण के लिए कदम बढ़ाने होंगे. भाषा और अनुवाद के पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सरलता से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएँगे.

बतौर विशिष्ट अतिथि केंद्रीय भाषा संस्थान, मैसूर के शोध अधिकारी डॉ. पंकज द्विवेदी ने कहा कि उनका संस्थान लुप्तप्राय और संकटग्रस्त भाषाओं के संवर्धन के लिए विशेष कार्य कर रहा है.कार्यशाला में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के मराठी विभाग के अध्यक्ष,प्रो प्रमोद पाडवाल, बांग्ला विभाग के अध्यक्ष प्रो पी.के.मैती,तेलगू विभाग के अध्यक्ष प्रो बुदाती वेंकटेश्वरलू,नेपाली भाषा विभाग के प्रो दिवाकर प्रधान,हिंदी विभाग के डॉ सत्य प्रकाश पाल,तमिल विभाग के डॉ जगदीशन टी,संस्कृत विभाग एवं भोजपुरी अध्ययन केंद्र के डॉ राजेश सरकार, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी के प्राकृत एवं जैनागम विभाग के प्रो हरिशंकर पाण्डेय, संस्कृत विद्या विभाग के डॉ रविशंकर पाण्डेय विशेषज्ञ के रूप में शामिल हुए. कार्यशाला की रूपरेखा आईक्यूएसी सेल के समन्वयक प्रो मानस पाण्डेय प्रस्तुत की. कार्यशाला का संचालन सेंटर आफ एक्सीलेंस- अनुवाद के समन्वयक डॉ. मनोज मिश्र एवं धन्यवाद कुलसचिव महेंद्र कुमार ने किया.

Event Report

1. Title of Event: संगोष्ठी-वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अनुवाद की भूमिका

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): May 2,2022

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Prof P.C.Patanjali

6. Number of Participants: 60

वीर बहादुर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में सोमवार को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अनुवाद की भूमिका विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह आयोजन भारतीय भाषा संस्कृति एवं कला प्रकोष्ठ और जनसंचार विभाग की ओर से किया गया।

बतौर मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति प्रो. पीसी पांतजलि ने कहा कि हिंदी सशक्त भाषा है जो सभी भाषाओं को समाहित कर लेती है। यह संस्कृति की संवाहक है हिंदी ही देश की संस्कृति को बचाने के साथ-साथ राष्ट्र को एक सूत्र में बांधने का काम करती है।उन्होंने कहा कि हिंदी जब तक रोजगारपरक नहीं बनेगी तब तक राष्ट्रवाद नहीं पनपेगा। अनुवाद पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हरिवंश राय बच्चन सर्वश्रेष्ठ अनुवादक थे। अनुवादक मानव में संवेदना पैदा करता है। कहा कि अनुवादक शब्दावली , भाषा, सामाजिक, सांस्कृतिक विविधता से हमेशा जूझता रहता है. भाषा अगर बोधगम्य नहीं है तो वह किसी काम की नहीं। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि बैंकिंग साहित्य में अनुवाद की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसमें रोजगार के अवसर उपलब्ध है। अनुवादक स्रोत को लक्ष्य भाषा बनाते हैं। साहित्य जानने वाले लोगों की भाषा पर पकड़ होती है वह हर विषय पर बोल सकता है। अनुवाद का क्षेत्र बहुत बड़ा है इसमें बहुत काम हो रहा है और रोजगार के अवसर भी उपलब्ध है।इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि भाषा को समझने का माध्यम अनुवाद है. संचालन जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो अजय द्विवेदी ने किया. इस अवसर पर प्रो बीबी तिवारी, प्रो अविनाश, प्रो रामनारायण, प्रो बीडी शर्मा, प्रो देवराज सिंह , डॉ रजनीश भास्कर, डॉ नुपुर तिवारी, डॉ प्रमोद यादव, डॉ मुराद अली, डॉ श्याम कन्हैया, डॉ सुनील कुमार, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ अवध बिहारी सिंह, डॉ चन्दन सिंह,डॉ जान्हवी श्रीवास्तव, मंगला प्रसाद, डॉ पुनीत धवन, प्रवीण सिंह, डॉ प्रमोद कौशिक,डॉ लक्ष्मी मौर्य, श्याम कन्हैया, सुशील प्रजापति, प्रमोद विश्वकर्मा तमाम लोग उपस्थित रहे.

Event Report

1. Title of Event: Devarshi Narad jayanti

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): May17,2022

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Dr Manoj Mishra, Prof Ram Narayan, Dr. Sunil Kumar

6. Number of Participants: 40

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में मंगलवार को देवर्षि नारद की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर आदि पत्रकार नारद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने देवर्षि नारद को सृष्टि का प्रथम संचारक कहा।मुख्य अतिथि विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रो. रामनारायण ने कहा कि देवर्षि नारद दुनिया के पहले संचारक थे। साथ ही उन्हें सृष्टि का पहला संवाददाता भी कहा जाता था जो अपना काम पूरे ईमानदारी के साथ संपादित करते थे।जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डा. मनोज मिश्र ने कहा कि देवर्षि नारद पत्रकारिता के प्रथम निडर पत्रकार थे। शिखर पुरुष एवं नीतियों को संबंधित व्यक्ति या समाज तक बेबाक रूप से पहुंचाते थे। उनकी पत्रकारिता में लोकमंगल निहित होता था। उनके लोकहित और लोकमंगल की पत्रकारिता के प्रमाण प्राचीन ग्रंथों में मिलते हैं।विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डा. सुनील कुमार ने कहा कि आज की पत्रकारिता में टेबिल रिपोर्टिंग का दौर चला है। महर्षि नारद हमेशा स्पाट रिपोर्टिंग करते थे। वह अपनी बात को बिंदास होकर प्रेषित करते थे। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डा. दिग्विजय सिंह राठौर, डा. अवध बिहारी सिंह ने भी विचार व्यक्त किए।

लोकमंगल के पत्रकार थे देवर्षि नारद: डा. मनोज मिश्र

जनसंचार विभाग में मनाई गई देवर्षि नारद की जयंती

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में मंगलवार को देवर्षि नारद की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर आदि पत्रकार नारद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने देवर्षि नारद को सृष्टि का प्रथम संचारक कहा। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रो. रामनारायण ने कहा कि देवर्षि नारद दुनिया के पहले संचारक थे। साथ ही उन्हें सृष्टि का पहला संवाददाता भी कहा जाता था जो अपना काम पूरे ईमानदारी के साथ संपादित करते थे। जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डा. मनोज मिश्र ने कहा कि देवर्षि नारद पत्रकारिता के प्रथम निडर पत्रकार थे। शिखर पुरुष एवं नीतियों को संबंधित व्यक्ति या समाज तक बेबाक रूप से पहुंचाते थे। उनकी पत्रकारिता में लोकमंगल निहित होता था। उनके लोकहित और लोकमंगल की पत्रकारिता के प्रमाण प्राचीन ग्रंथों में मिलते हैं।

विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डा. सुनील कुमार ने कहा कि आज की पत्रकारिता में टेबिल रिपोर्टिंग का दौर चला है। महर्षि नारद हमेशा स्पाट रिपोर्टिंग करते थे। वह अपनी बात को बिंदास होकर प्रेषित करते थे। इसके पूर्व विभागाध्यक्ष मनोज मिश्र ने मुख्य अतिथि को बुकें देकर स्वागत किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डा. दिग्विजय सिंह राठौर, डा. अवध बिहारी सिंह ने भी विचार व्यक्त किए।

जयंती समारोह को संबोधित करते डा. मनोज मिश्र।

Event Report

1. Title of Event: HINDI PATRAKARITA KI NAVIN PRAVITTIYA

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): 30 May, 2022

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons:

Mr. Hemant Tiwari, Dr. Nitin Upadhyay, Prof. Pramod kumar

6. Number of Participants: 76

7. Summary of Events: वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस-अनुवाद, भारतीय भाषा,संस्कृति एवं कला प्रकोष्ठ की ओर से हिंदी पत्रकारिता दिवस पर सोमवार को "हिंदी पत्रकारिता की नवीन प्रवृत्तियां" विषयक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया।

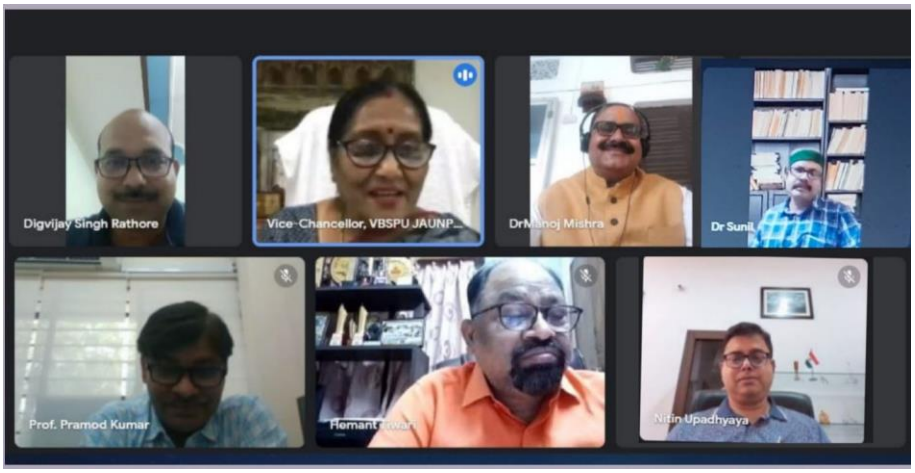

इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पाठ्यक्रम निदेशक एवं छात्र कल्याण अधिष्ठाता, भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी),नई दिल्ली के प्रो. प्रमोद कुमार ने कहा कि सकारात्मक और समाज में बदलाव से जुड़ी खबरें पाठकों द्वारा खूब पसंद की जा रही हैं। डिजिटल हो चुकी हिंदी पत्रकारिता ने सकारात्मक खबरों के माध्यम से पाठकों एवं दर्शकों का एक बड़ा वर्ग तैयार किया है। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि पत्रकारिता समाज हित के लिए होनी चाहिए। इसका सामाजिक सरोकार जरूरी है, तभी इसका लाभ देश को मिल सकेगा। वरिष्ठ पत्रकार हेमंत तिवारी ने कहा कि एक तरफ हिंदी पत्रकारिता का विस्तार हुआ है तो दूसरी तरफ उसकी भाषा में संक्रमण हुआ है। उन्होंने कहा कि आज भी अधिकतर चैनल हिंदी के ही हैं इनकी अपनी अलग-अलग भाषा हो गई है। सोशल मीडिया की भाषा पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि इसका कोई नियमन नहीं। विशिष्ट अतिथि उप निदेशक सूचना,राजभवन,उत्तराखंड डॉ नितिन उपाध्याय ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता को जनभाषा से अलग नहीं किया जा सकता है। अखबारों का क्षेत्रीयकरण पाठक को कई बड़ी खबरों से दूर ले जा रहा है। इसका कारण अधिक से अधिक संस्करण निकलना है। वेबिनार के संयोजक और जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र ने अतिथियों का स्वागत और विषय प्रवर्तन किया।संचालन डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर और धन्यवाद ज्ञापन डॉ सुनील कुमार ने किया।

Event Report

1. Title of Event: Jansanchar ke chhetra me rojgar ke awasar

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): 11 September 2022.

Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Prof. Anil Upadhyay,Dr.Arunendra Tripathi,Dr.Vijayendu Chaturvedi

6. Number of Participants: 40

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में शनिवार को जनसंचार के क्षेत्र में रोजगार के अवसर विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के पत्रकारिता विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर अनिल कुमार उपाध्याय ने कहा कि तकनीकी ने जनसंचार और पत्रकारिता के क्षेत्र में अपार संभावनाओं को जन्म दिया है। इस क्षेत्र में रोजगार की तलाश करने वालों को आधुनिक तकनीक के साथ-साथ भाषा पर अच्छी पकड़ रखनी चाहिए। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व मुख्य संपादक अरुणेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि मीडिया के क्षेत्र में बहुत तेजी से बदलाव आ रहे हैं , कार्य दायित्व भी बदले हैं। संस्थानों द्वारा मल्टी स्किल लोगों की मांग की जा रही है। वैश्विक घटनाओं पर न्यूज़ के साथ-साथ व्यूज भी विकसित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रिपोर्टिंग की तकनीक में भी परिवर्तन आया है तथ्यों के साथ साथ उसके प्रस्तुतीकरण का भी ध्यान देना होगा।डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या के पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजयेंदु चतुर्वेदी ने कहा कि इंटरनेट ने रोजगार की अपार संभावनाएं विकसित की है। आज यूट्यूब और सोशल मीडिया आय के स्रोत हो गए हैं। इनकी बारीकियों को समझना होगा।जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र ने अतिथियों का स्वागत एवं संचालन डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने किया। इस अवसर पर डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अवध बिहारी सिंह, डॉ. चंदन सिंह, समेत विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे.

Event Report

1.Title of Event: Hindi ki Badhati lokpriyta : Vishva Bhasha ke Roop me Hindi ke Badhte Kadam

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): 23 September 2022.

4. Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Dr Suresh Chandra Shukla, Dr. Satya Prakash Pal

6. Number of Participants: 290

जौनपुर धारा

शनिवार,24 सितम्बर 2022

अपना जौनपुर

मातृभाषा पर गर्व करें नागरिकः सुरेश शुक्ल

एक दूसरे को जोड़े रखती है भारत की आत्मीयता: प्रो. निर्मला एस. मौर्य
देश, समाज और संस्कृति का निर्माण करती है भाषा: डॉ. सत्यप्रकाश
विदेशों में हिंदी की बढ़ती लोकप्रियता विषय पर हुई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

मातृभाषा पर गर्व करें नागरिक : सुरेश शुक्ल

परफेक्ट मिशन/जौनपुर

Event Report

1. Title of Event: Media ke Kshetra me Anuvad Ki Prasangikta

2. Nature of Event: Seminar

3. Date and Duration (in days): 14 February 2023.

Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Prof.Usha Rani Rao,Dr.Satya Prakash Pal

6. Number of Participants: 236

जागरण वाराणसी, 15 फरवरी, 2023 दैनिक जागरण 5

हिंदी भाषा को बढ़ाने में सिनेमा का विशेष योगदान

- अनुवाद की ताकत से मातृभाषा का मान बढ़ा: कुलपति
- मीडिया क्षेत्र में अनुवाद की बढ़ती प्रासंगिकता पर आयोजन

संवाद सहयोगी, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में मंगलवार को मीडिया के क्षेत्र में अनुवाद की बढ़ती प्रासंगिकता विषय पर संगोष्ठी हुई। वक्ताओं ने कहा कि हिंदी को बढ़ाने में सिनेमा का विशेष योगदान है।

मुख्य अतिथि बाल्डविन महिला महाविद्यालय की प्रो. उषा रानी राव ने कहा कि बोलियों का जब संस्कार होता है तब वह भाषा बनती है। वर्तमान में रोजगारमूलक विषय प्रमुख है। कहा कि अनुवाद ने वैश्विक साहित्य के द्वार को खोला है। आज उद्देश्यपूर्ण अनुवाद की मीडिया को जरूरत है। मीडिया में अनुवाद का महत्वपूर्ण स्थान है। अध्यक्षता कर रहीं कुलपति प्रो. निर्मला मौर्या ने कहा कि अनुवाद में कोई न कोई ताकत तो है ही जो हमें मातृभाषा की ओर आकर्षित करती है। इस संकोच को मन से निकालने की जरूरत है तभी हमारी भाषा का विकास होगा। उन्होंने अपनी पुस्तक गर्भ संस्कार भेंट करते हुए कहा कि इसे छात्राओं को जरूर पढ़ना चाहिए।

विशिष्ट वक्ता काशी हिंदू विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के डा. सत्य प्रकाश पाल ने कहा कि हिंदी अब लोकल से ग्लोबल होने लगी है। हिंदी को बढ़ाने में सिनेमा जगत का अहम योगदान है। स्वागत कार्यक्रम संयोजक डा. मनोज मिश्र ने किया। विषय प्रवर्तन करते हुए डा. सुनील कुमार ने कहा कि सूचना सभी तक सही पहुंचे इसलिए अनुवाद की आवश्यकता होती है। अतिथियों का परिचय डा. नितेश जायसवाल ने दिया। संचालन डा. अवध बिहारी सिंह व धन्यवाद ज्ञापन प्रो. देवराज सिंह ने किया। इस मौके पर प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. बीडी शर्मा, प्रो. मिथिलेश सिंह, जाह्नवी श्रीवास्तव, आलोक दास आदि मौजूद थे।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय मे मीडिया के क्षेत्र मे अनुवाद की बढ़ती प्रसंगिकता पर आयोजित संगोष्ठी मे बोलती प्रोफेसर उषा रानी राव • जागरण

जौनपुर 14

उद्देश्यपूर्ण अनुवाद मीडिया की जरूरत : प्रो. ऊषा रानी राव

संगोष्ठी

अनुवाद की ताकत से मातृभाषा का मान बढ़ा : प्रो. निर्मला एस. मौर्य

मीडिया के क्षेत्र में अनुवाद की बढ़ती प्रासंगिकता विषय पर हुई संगोष्ठी

हिन्दी को बढ़ाने में सिनेमा का विशेष योगदान : डॉ. सत्यप्रकाश पाल

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में मंगलवार को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसका विषय मीडिया के क्षेत्र में अनुवाद की बढ़ती प्रासंगिकता था।

इस मौके पर मुख्य अतिथि बाल्डविन महिला महाविद्यालय की प्रो. उषा रानी राव ने कहा कि बोलियों का जब संस्कार होता है तब वह भाषा बनती है। वर्तमान में रोजगारमूलक विषय प्रमुख है। उन्होंने कहा कि अनुवाद ने वैश्विक साहित्य के द्वार को खोला है। आज उद्देश्यपूर्ण अनुवाद की मीडिया को जरूरत है। उन्होंने कहा कि जैसे वेशभूषा से संस्कृति की पहचान होती है वैसे ही भाषा से देश की पहचान होती है। अनुवाद वर्तमान समय मे एक महत्वपूर्ण विधा के रूप में सामने आया है। उन्होंने कहा कि आज के समय मे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया काफी सशक्त है। मीडिया में अनुवाद का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने कहा कि आज अनुवाद की ही देन है कि देश के किसी एक कोने से सामाजिक, सांस्कृतिक, वैचारिक विषयों को पूरे देश में सुना जाता है और समझा जाता है। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रही कुलपति प्रो. निर्मला मौर्य ने कहा कि अनुवाद में कोई न कोई ताकत तो है हीं, जो हमें मातृभाषा की ओर आकर्षित करती है। हिंदी बोलने से हमारा अपमान नहीं होता। इस संकोच को मन से निकालने की जरूरत है, तभी हमारी भाषा का विकास होगा। उन्होंने अपनी पुस्तक गर्भ संस्कार भेंट करते हुए कहा कि इसे छात्राओं को जरूर पढ़ना चाहिए इसमें पूरे गर्भ संस्कार के बारे में महत्वपूर्ण चीज दी गई है।

विशिष्ट वक्ता काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के डॉ. सत्य प्रकाश पाल ने कहा कि आज विज्ञापनों के दौर में भी हिंदी का प्रयोग किया जाता है तो हिंदी भाषा को बोलने में कोई हिचक नहीं करना चाहिए। हिंदी विश्व स्तर पर एक पहचान बना रही है। अगर हम अपनी भाषा और संस्कृति से कटते है तो हम अपने मूल से भी अलग हो जाते है। उन्होंने कहा कि हिंदी अब लोकल से ग्लोबल होने लगी है। ऐसे में अगर भाषा जीवित रहेगी तो हमारा समाज और हमारी संस्कृति भी जीवित रहेगी। उन्होंने कहा कि हिन्दी को बढ़ाने में शिक्षण संस्थान से अधिक सिनेमा जगत का योगदान है। स्वागत भाषण कार्यक्रम संयोजक डॉ. मनोज मिश्र ने किया। इस दौरान कुलपति की पुस्तक अतिथियों को भेंट की गई। विषय प्रवर्तन करते हुए डॉक्टर सुनील कुमार ने कहा कि सूचना सभी तक सही पहुँचे इसलिए अनुवाद की आवश्यकता होती है। अतिथियों का परिचय डॉ. नितेश जायसवाल ने दिया। संचालन डॉ. अवध बिहारी सिंह और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. देवराज सिंह ने किया। इस मौके पर प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. बीडी शर्मा, प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ. रसिकेश, प्रमोद कुमार, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. चन्दन सिंह, डॉ. सुशील सिंह, डॉ. स्वर्ण कुमार, डॉ. काजल डे, डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. आलोक दास, रेखा पाल आदि मौजूद रहीं।

Event Report

1. Title of Event: महिला और साइबर सुरक्षा

2. Nature of Event: विशेष व्याख्यान

3. Date and Duration (in days): 22 February 2023.

Organizing Department/ Faculty/ Institution: Mass Communication

5. Name of Resource Persons: Dr Versha Singh

6. Number of Participants: 92

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर में बुधवार को महिला और साइबर सुरक्षा विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन जनसंचार विभाग एवं साइबर क्लब के द्वारा इनक्यूबेशन सेंटर में किया गया। बतौर मुख्य वक्ता मीडिया इंडिया समूह की संपादकीय निदेशक वर्षा सिंह ने कहा कि महिलाओं को साइबर की दुनिया में सचेत होकर रहना है. महिलाओं के लिए यह बहुत ही संवेदनशील विषय है. साइबर अपराधियों के निशाने पर महिलाएं हमेशा से रही है. महिलाएं साइबर अपराधियों के खिलाफ रिपोर्ट करें तभी उनके हौसले पस्त होंगे. जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डा.मनोज मिश्र ने कहा कि आज साइबर अपराध से हम सभी परेशान हैं। दिन-प्रतिदिन साइबर अपराध बढ़ता जा रहा है हमें जरूरत है कि हम जागरूक हो. साइबर क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने विषय प्रवर्तन किया. उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले अपराधों पर विस्तार से चर्चा की. कहा कि महिलाएं बिना संकोच साइबर अपराध की सूचना नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल पर दर्ज करें. इसके साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार के वीमेन हेल्पलाइन की सहायता लें. महिला अध्ययन की प्रभारी डॉ जान्हवी श्रीवास्तव ने कहा कि महिलाओं के प्रति साइबर अपराध में वृद्धि हुई. सरकार के प्रयासों से साइबर अपराधी पकड़े भी जा रहे है. संचालन डॉ. दिग्विजय सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ.अवध बिहारी सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो अविनाश पाथर्डीकर,डॉ सुनील कुमार, डॉ अलोक गुप्ता, डॉ गिरिधर मिश्र,डॉ चंदन सिंह, डॉ पुनीत धवन, डॉ श्याम कन्हैया सिंह, डॉ धीरेन्द्र चौधरी, डॉ विनय वर्मा, डाली सिंह, झांसी मिश्रा अन्य उपस्थित रहे।